RJ–06

June – Examination 2023

B.A. (Part III) Examination

RAJASTHANI

(राजस्थानी भासा अर साहित्य रौ इतिहास)

Paper : RJ-06

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- औ पेपर तीन खण्डां 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड-'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड-'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड-'स' में मोटा सवालां रा पड़ूत्तर देवणा है। हरेक खण्ड रै आगै दियोडा निर्देशांमुजब आपरा जवाब लिखौ।

खण्ड—अ **7×2=14**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड रा सगळां सवालां रौ पड़ूतर देवणों जरूरी है। आपरौ पड़ूत्तर एक सबद, एक वाक्य या अधिकतम **30** सबद सूं बेसी नी हुवणा चाईजै।

1. (i) राजस्थानी भासा री उत्पत्ति मरुगुर्जरी अपभ्रंश सूं मानण वाला विद्वानां रा नांव लिखौ।

(ii) राजस्थानी री आधुनिक लिपि कुणसी है ?

(iii) 'मेवाड़' बोली रौ क्षेत्र उजागर करौ ?

(iv) 'ढूढाडी' बोली किण क्षेत्र में बोली जावै ?

(v) 'वयणसगाई' अलंकार रा प्रकार हुवै ?

(vi) 'भरतेस्वर बाहुबलि रास' रा रचयिता कुण हा ?

(vii) जैन मुनि उद्योतन सूरि किण ग्रंथ री रचना करी ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं किणी **चार** सवालां रा जवाब **200** सबदां री सींव में लिखौ।

2. राजस्थानी भासा री उत्पत्ति बाबत सारगर्भित आलेख मांडौ।

3. मारवाडी बोली राजस्थानी री विसेसतावां रो उजागर करौ।

4. राजस्थानी भासा री व्याकरण गत विसेसतावां माथे टिप्पणी करै।

5. वैण सगाई अलंकार रौ राजस्थानी साहित्य में महत्व नै उदाहरण समेत स्पष्ट करो।

6. नागरी अर देवनागरी रै अंतर नै स्पष्ट करै।

7. मुड़िया लिपि बाबत आपरी जाणकारी उजागर करौ।

8. मध्यकालीन सगुण भगतीधारा बाबत टीप लिखौ।

9. राजस्थानी लोकगीता रै माथै टिप्पणी लिखौ।

खण्ड—स **2×14=28**

(मोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं किणी **दो** सवालां रा जवाब देवणा है। सबद सींव **500** सबद है।

10. राजस्थानी भासा री व्याकरणिक विसेसतावां रौ वर्णन करो।

11. मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य रै विविध परिपेस की प्रामाणिक जाणकारी उजागर करौ।

12. टिप्पणी लिखौ–

(अ) बाँकीदास री ख्यात

(ब) नैणसी री ख्यात

13. आधुनिक राजस्थानी कविता री भासा पे अेक टीप माण्डो।